जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 205 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 29 मई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बड़े जोश से 2025 को पार्टी का ''ऑर्गनाइज़ेशन इयर'' घोषित किया था

... पर छः माह बीत गए हैं, लगभग सभी राज्यों में पार्टी संगठन लगभग नदारद हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नईदिल्ली, 28 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़े जोर-शोर से 2025 को पार्टी में ''संगठन का वर्ष' घोषित किया था। लेकिन आधा साल बीत चुका है और संगठनात्मक गतिविधियों में न तो कोई विशेष हलचल दिखती है, न ही कोई ठोस प्रगति।

राज्य-दर- राज्य कांग्रेस का संगठन निष्क्रिय अवस्था में बना हुआ है।

इस स्थिति के लिए कई वरिष्ठ नेता पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वेणुगोपाल एआईसीसी महासचिव एव संगठन-प्रभारी हैं, लेकिन ज़मीन पर संगठन को मज़बूत करने के बजाय उनका पूरा ध्यान गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी के साथ यात्रा करने पर रहता है और जहां भी राहुल जाते हैं, वे उनके साथ होते हैं।

वेणुगोपाल ने खुद को राहुल गांधी का मुख्य सहायक बना लिया है।

- कहने को के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हैं, पर, वे पूरा समय राहुल गांधी के पीछे रहते हैं। जहाँ राहुल जाते हैं, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल भी होते हैं। असल में वेणुगोपाल चाहते हैं कि राहुल गांधी पर उनका पूर्ण नियंत्रण रहे, राहुल गांधी उन्हीं की बात सुनें।
- मल्लिकार्जुन खड़गे कई बार रिक्त पद भरने का प्रयास कर चुके हैं, पर, खड़गे की लिस्ट को वेणुगोपाल हमेशा ठुकरा देते हैं।
- पार्टी संगठन की दुर्दशा पर किसी का ध्यान नहीं है, इस समय वेणुगोपाल व उनके समर्थकों का सारा फोकस शशि थरूर को पार्टी से निकलवाने पर है और इसके लिए रोज़ नई-नई कहानियां गढ़ी जा रही हैं।
- वेणुगोपाल केरल का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए हैं और उन्हें इसमें शशि थरूर ही बाधा नज़र आते हैं, इसलिए वे थरूर को रास्ते से हटाने में जुटे हैं और इस काम में उन्हें जयराम रमेश जैसे उन नेताओं की सहायता मिल रही है, जिनकी कुर्सी खतरे में है।

क्या यह कोई असुरक्षा की भावना है, जो उन्हें राहुल गांधी के इर्द-गिर्द बने रहने के लिए प्रेरित करती है? कहना मुश्किल है।

वे ऐसे एकमात्र संगठन-प्रभारी महासचिव हैं, जो हमेशा गांधी परिवार के साथ यात्रा करते रहते हैं, जबकि यह न तो उनके पद की भूमिका है, न ही उनकी जिम्मेदारी।

इस रवैये का नतीजा यह हुआ है कि पार्टी का संगठन बुरी तरह उपेक्षित हो चुका है। एक के बाद एक राज्य में संगठनात्मक इकाइयाँ निष्क्रिय होती जा रही हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यों में खाली पड़े पदों को भरने की कई बार कोशिश की, लेकिन वेणुगोपाल ने इन प्रयासों को बार-बार विफल कर दिया। यहां तक कि वे खड़गे द्वारा तैयार की गई सूची तक को खारिज कर देते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि वेणुगोपाल का अधिकतर ध्यान केरल पर केन्द्रित है, जहां वे खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मानते हैं और वहाँ के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने में लगे हैं।

उनका मुख्य निशाना शशि थरूर हैं। बताया जा रहा है कि वेणुगोपाल, जयराम रमेश और अन्य लोगों की मदद से, थरूर के खिलाफ मीडिया में नकारात्मक खबरें गढ़ रहे हैं, जबकि थरूर को दुनिया भर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में लैपर्ड ने 4 युवकों पर हमला किया

डूंगरपुर, 28 मई (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के वलोता फला लिमडी गांव में झांड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने चार युवकों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो लैपर्ड भाग गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वलोता फला लिमडी गांव निवासी मुकेश पुत्र मोगजी रोत, हाजा पुत्र कन्हैयालाल, लक्ष्मण पुत्र जीवा और शंकर पुत्र लक्ष्मण लाल चारों युवक लक्ष्मण की बहन रानी, पुत्री जीवा रोत की सगाई में गए थे। चारों युवक रीना की ससुराल से पैदल घर लौट रहे थे।

- युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गये और लैपर्ड भाग गया।

रास्ते में वलोता डैम के पास झाड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने मुकेश पर हमला कर दिया। उसे बचाने आए अन्य युवकों पर भी लैपर्ड ने हमला कर उन्हें घायल गंभीर रुप से कर दिया। युवकों के चिल्लाने का शोर सुनकर आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद लैपर्ड भाग गया। सूचना मिलने पर, वरदा पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा चारों घायल युवकों को 108 एम्बुलेंस की मदद से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। लैपर्ड के मूवमेंट को लेकर वन विभाग को सूचना दी गई है, जिस पर वन विभाग लैपर्ड मूवमेंट को ट्रैक कर रेस्क्यू करने में जुटा है।

राजस्थान सहित चार राज्यों में आज होगी मॉक ड्रिल

भारत सरकार अपनी सर्तकता में कोई कमी नहीं करना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मई। पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम की घोषणा भले ही कर दी गई हो, लेकिन भारत का इरादा अपनी सतर्कता कम करने का कदापि नहीं है। अब देश ने गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे चार राज्यों में नागरिक सुरक्षा के मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्णय लिया है।

इन मॉक ड्रिल्स से सीमा पार की शत्रुता और आतंकी घटनाओं की स्थिति में, आपातकालीन प्रतिक्रिया के समन्वय और नागरिकों की निकासी सम्बन्धी रणनीतियों की परख होगी। इसके साथ ही, इनसे एनडीए सरकार बिहार चुनावों से पहले राष्ट्र भक्ति का जोश कायम रखकर राजनैतिक हित भी साधना चाहती है।

संघर्ष विराम की घोषणा के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्यों के तूफानी दौरे पर निकल पड़े , जिसमें वह 'मजबूत राष्ट्रवाद' की नीति को जोर-शोर से उठा रहे हैं। बिहार के मधुबनी में एक सार्वजनिक संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पहलगाम हत्याकांड के जिम्मेदार आतंकियों को 'धरती के अंतिम छोर तक' ढूंढ़ निकालेगी।

बीकानेर की एक रैली में उन्होंने कहा कि उनके शरीर में खून नहीं, बल्कि 'गर्म सिंदूर' बह रहा है। दाहोद और गुजरात में, किसी देश का नाम लिए बिना, उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की घोषणा की। प्रधानमंत्री चार राज्यों में रैलियां करेंगे। इसकी शुरुआत गुरुवार से हो रही है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इन रैलियों में ऑपरेशन सिंदूर के संदेश को पुरजोर तरीके से प्रचारित करेंगे, खासकर ऐसे समय में, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप यह दावा कर भारत सरकार को असहज स्थिति में डाल रहे हैं कि यह संघर्षविराम अमेरिका द्वारा भारत और पाकिस्तान को की गई व्यापारिक सौदों की पेशकश की वजह से संभव हुआ।

- लेकिन राजनैतिक विशेषज्ञों का कहना है कि सत्तारूढ़ एनडीए बिहार चुनावों तक राष्ट्रभक्ति के जोश को ठंडा नहीं होने देना चाहती है, इसलिए संघर्ष विराम के बाद भी मॉक ड्रिल करवाना चाहती है।
- प्रधानमंत्री मोदी भी सीज़फायर के बाद से राज्यों का दौरा कर रहे हैं और ऑपरेशन सिंदूर के संदेश को पुरजोर तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं।
- राजस्थान के साथ जिन तीन अन्य राज्यों में मॉक ड्रिल होगी, वे हैं गुजरात, पंजाब और जम्मू कश्मीर।

बताया जाता है कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के सामने यहाँ तक कह दिया है कि अगर ट्रंप की टैरिफ पावर्स पर कोई कानूनी रोक लगती है, तो इससे न केवल व्यापार सौदे प्रभावित होंगे, बल्कि 'भारत-पाक संघर्षविराम भी खतरे में पड़ जाएगा।'

मॉक ड्रिल गुरुवार से शुरु हो रही है। इसके कुछ सप्ताह पहले गृह मंत्रालय ने 7 मई को 'ऑपरेशन अभ्यास' नाम से एक मॉक ड्रिल करवाई थी और फिर उसी दिन कुछ घंटे बाद ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत कर दी थी। ऑपरेशन अभ्यास, 1971 के भारत-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस के.आर. श्रीराम होंगे राजस्थान हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस

मौजूदा चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मई। एक अन्य बड़े फेर-बद के अन्तर्गत, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने राजस्थान, त्रिपुरा, झारखण्ड तथा मद्रास उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तबादलों की सिफारिश की है। यह निर्णय 26 मई को मुख्य न्यायाधीश बी आर आई गवई की अध्यक्षता में हुई कोलीजियम की मीटिंग में लिया गया।

कोलीजियम ने सुझाव दिया है कि राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव का तबादला मद्रास उच्च न्यायालय में और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के.आर. श्रीराम का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट में कर दिया जाए साथ ही त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह का तबादला तेलंगाना उच्च न्यायालय में तथा जस्टिस एम.एस. रामचन्द्र राव का तबादला झारखण्ड से त्रिपुरा उच्च न्यायालय में कर दिया जाये। जस्टिस श्रीवास्तव मूलतः छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से तथा जस्टिस श्रीराम बाम्बे हाईकोर्ट से हैं।

- जस्टिस के.आर. श्रीराम मूलतः बॉम्बे हाई कोर्ट से हैं, उन्हें 21 सितम्बर 2024 को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने चीफ जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता में राजस्थान, त्रिपुरा, झारखंड और मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने उच्चतर न्यायपालिका में भारी बदलाव करते हुये, 10 उच्च न्यायालयों के 21 जजों की तबादले विभिन्न उच्च न्यायालयों में करने की अनुशंसा की है।

28 सितंबर, 1963 को मुंबई में जन्मे सीजे केआर श्रीराम ने मुंबई विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के बाद लंदन से समुद्री विज्ञान में एलएलएम किया। वहीं, वे जुलाई 1986 को महाराष्ट्र एवं गोवा बार कौंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत हुए। बतौर वकील उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता आयोगों, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण और कंपनी कानून बोर्ड में सफलतापूवर्क वकालत की। उन्हें 21 जून, 2013 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में आज करोना के 5 नये केस आये

जयपुर, 28 मई । राजस्थान में करोना वायरस एक बार फिर से दस्तक देता नज़र आ रहा है। बुधवार को प्रदेश भर से कोविड के 7 नए मामले सामने आए, जिनमें से सर्वाधिक 5 केस जयपुर से रिपोर्ट हुए हैं। अन्य दो मामले जोधपुर से मिले हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को संक्रमितों में 16 वर्षीय बालक बालोतरा से, बीकानेर से 31 वर्षीय महिला और दौसा से एक 5 वर्षीय बच्चा है। शेष चार

- आज रिपोर्ट हुए संक्रमितों में दौसा का एक 5 वर्षीय बच्चा भी है।

मरीजों में से 51 वर्षीय, 38 वर्षीय और 40 वर्षीय पुरुष तथा 24 वर्षीय महिला जयपुर से संक्रमित पाए गए। ये केस राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों, एम्स जोधपुर (2), एसएमएस जयपुर (2), आरयूएचएस (1), जयपुरिया (1) और एक विश्वसनीय स्रोत से रिपोर्ट हुए हैं।

राज्य में वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक कुल 39 कोरोना संक्रमित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्पसंख्यकों और राष्ट्रवादी समूहों, दोनों को साधने में जुटी हैं ममता बनर्जी

प.बंगाल की मु.मंत्री, देश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रासंगिकता बनाए रखना चाहती हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मई। तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका के साथ-साथ, पश्चिम बंगाल में अपने परंपरागत अल्पसंख्यक वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के उद्देश्य से, दोनों पक्षों को साधने की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रही है।

पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के सिलसिले में विभिन्न देशों के नेताओं को जानकारी देने वाली राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनकर मजबूती से अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने पाकिस्तान को 'एक पागल कुत्ते का संचालक' कहकर करारा हमला बोला। इस बयान से उन्हें सत्तारूढ़ दल की सराहना तो मिली ही, साथ ही उन्होंने खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में प्रस्तुत भी किया।

हालांकि, पाकिस्तान को ''पागल कुत्ता'' कहना बंगाल की मुस्लिम आबादी के बीच खतरा पैदा कर सकता है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की साज़िशों और आतंकी हमलों के बावजूद, बंगाल का मुस्लिम समुदाय किसी भी टकराव की स्थिति में पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखता है।

- ममता के भतीजे अभिषेक, जो संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान गए हैं, ने पाकिस्तान को ''पागल कुत्ते का हैंडलर'' करार दिया। उनकी इस टिप्पणी को ममता बनर्जी की राष्ट्रवादियों का समर्थन जुटाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।
- अभिषेक बनर्जी की इस टिप्पणी से राष्ट्रवादी सोच वाले लोग तो खुश हैं पर संभावना है कि बंगाल का अल्पसंख्यक वोट बैंक इससे नाखुश हो सकता है।
- बंगाल के राष्ट्रवादी तबके को खुश करने के लिए अभिषेक बनर्जी ने जापान में रासबिहारी बोस का भी जिक्र किया और वे उनके स्मारक पर भी गए।

मुस्लिम बिरादरी किन्हीं भी राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानती है।

यहां तक कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच होता है, तब भी बड़ी संख्या में मुसलमान पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। ऐसे में अभिषेक बनर्जी के बयान, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भले ही उन्हें प्रशंसा दिलाएं, परंतु, राज्य में अल्पसंख्यकों के बीच इसका विपरीत प्रभाव हो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बनी संयुक्त संसदीय टीम में बनर्जी की भूमिका भी कुछ हद तक जटिल रही। सरकार की ओर से टीम के लिए पहले सुझाए गए नाम को तृणमूल कांग्रेस ने खारिज कर दिया। पार्टी ने वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को टीम के साथ जापान यात्रा पर जाने से रोक दिया और कहा कि पार्टी खुद तय करेगी कि कौन जाएगा।

बाद में पार्टी ने यूसुफ पठान के नाम को भी अस्वीकार कर दिया, जिससे उन्हें टीम से हटना पड़ा। इसके बाद ही, पार्टी ने अभिषेक बनर्जी को शशि थरुर के नेतृत्व वाली संयुक्त संसदीय टीम में बतौर प्रतिनिधि भेजा, जो कि ममता बनर्जी के भतीजे भी हैं।

जापान में, पाकिस्तान के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

नयी दिल्ली, 28 मई। शीर्ष अदालत ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को 21 मई को दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ ाने का निर्देश दिया और कहा कि वह इस मामले में जुलाई में सुनवाई करेगी। इसके साथ ही एसआईटी को हरियाणा में दर्ज दो मुकदमों के तथ्यों की जांच तक सीमित रहने का निर्देश दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को हिदायत दी कि हरियाणा में दर्ज दो मुकदमों के तथ्यों तक ही जांच को सीमित रखा जाए।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के कपिल सिब्बल की इस आशंका पर कि जांच का दायरा बढ़ाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला करने के लिए हल्के परमाणु हथियार विकसित कर रहा है पाकिस्तान

अमेरिका की डिफैन्स इन्टैलिजैंस एजेंसी ने 2025 की अपनी रिपोर्ट में दावा किया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मई। पाकिस्तान की रक्षा नीति लंबे समय से चली आ रही इस धारणा पर आधारित है कि भारत उसके अस्तित्व के लिए खतरा है। यह धारणा कोई नई नहीं है, बल्कि उपमहाद्वीप के इतिहास,1947 के विभाजन के दर्द, कई युद्धों और कश्मीर मुद्दे पर जारी शत्रुता से गहराई से जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के लिए भारत की पांरपरिक सैन्य श्रेष्ठता, जो उसकी विशालता, आधुनिकता, वायु सेना, नौ सेना और मिसाइल प्रणालियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, पाकिस्तान के लिए सिर्फ एक रणनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व के लिए मूलभूत खतरा है।

यह आंकलन अमेरिका की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की 2025 वर्ल्डवाइड थ्रैट एसेसमेंट रिपोर्ट से सामने आया है। यह रिपोर्ट पाकिस्तान की सैन्य नीति और रणनीतिक सोच, खासकर भारत के प्रति उसके नज़रिये, पर एक गंभीर अन्तर्दृष्टि प्रदान करती है।

इसके जवाब में पाकिस्तान ने आक्रामक सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरु किया है। डीआईए की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान खास तौर पर भारत के साथ सैन्य क्षमता की बड़ी खाई को पाटने के लिए विषम क्षमताओं के विकास पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इस प्रयास का मुख्य आधार है, बैटल फील्ड या टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों का विकास, ये कम-क्षमता वाले, सीमित दूरी तक मार करने वाले परमाणु हथियार हैं, जिन्हें युद्ध के मैदान में इस्तेमाल के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये हथियार भारत के कोल्ड स्टार्ट डॉक्ट्रिन को रोकने के लिए प्रयुक्त किए जा सकते हैं। कोल्ड स्टार्ट डॉक्ट्रिन के तहत, सीमित लेकिन तेज़ पारंपरिक हमले पाकिस्तान की सीमा में किए जा सकते हैं, खासकर सीमा पार आतंकवाद के जवाब में। परमाणु प्रतिक्रिया का विकल्प खुला रखकर, पाकिस्तान किसी भी भारतीय सैन्य कार्रवाई को शुरुआती स्तर पर रोकने के लिए रणनीतिक अस्पष्टता बनाए रखना चाहता है।

- ''वर्ल्ड वाइड थ्रैट असैसमैंट'' शीर्षक वाली डी.आई.ए. की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान 1947 से ही भारत के डर के साये में जी रहा है।
- भारत की विशाल सेना की आधुनिकता और पारंपरिक श्रेष्ठता को पाकिस्तान रणनीतिक चुनौती से भी कहीं अधिक, अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है।
- इस डर की वजह से पाकिस्तान कम दूरी तक मार करने वाले हल्के परमाणु हथियार हासिल करने पर फोकस कर रहा है, ताकि, जब भी भारत, पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए तो पाकिस्तान इनका इस्तेमाल कर भारत को रोक पाए।
- डी.आई.ए. ने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की यह रणनीति बेहद खतरनाक है, यह न केवल परमाणु युद्ध का कारण बन सकती है, बल्कि इनकी चोरी और सनक में या गलतफहमी में इनके दुरुपयोग का भी भारी खतरा है।

टैक्टिकल परमाणु हथियारों का विकास पाकिस्तान की ''फुल-स्पैक्ट्रम डैटरैंस'' रणनीति का हिस्सा है। इस अवधारणा में परमाणु हथियारों का प्रयोग केवल रणनीतिक प्रतिशोध तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युद्ध क्षेत्र की विभिन्न स्थितियों में भी इनका प्रयोग किया जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में बारिश

नयी दिल्ली, 28 मई। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई।

महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली और ठाणे के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हो गया है।

- राजस्थान के अन्य भागों में लू और आंधी का प्रकोप देखा जा रहा है।

राजस्थान में मौसम तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। बूंदी जिले में तेज गर्मी पड़ रही है। यहां के गांव में एक वृद्ध महिला की मौत हुई। जांच में हीटवेव से मौत की बात सामने आई। उदयपुर,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)